JAL-Dhaara

"Water and Climate change"

- **Everyone has a Role to Play!**
- **Water water everywhere, but not a drop to drink!**
- ***How climate change affects water?***

"You're fraught with words, better go sit in water;

For they swell with meaning and glow more in water." ~Amin Kamil

Water is all around us and within us. From scientists to farmers to poetess' to soldiers to religious souls - water has held the fancy of all. This World Water Day, let's celebrate this life-giving force by paying our ode to water through poem on the theme:

The impossible colours of water!!!

Rules of the Competition:

1) Poem can either be in English or Hindi

2) Poem can have any meter/rhythm (including free verse)

3) There's no restriction on length of the poem

4) There's no restriction on number of poems you send

5) All poems should be self-composed.

"अगर फ़ुर्सत मिले पानी की तहरीरों को पढ़ लेना
हर इक दरिया हज़ारों साल का अफ़साना लिखता है।" ~बशीर बद्र

धरती में, आकाश में, तन में और कल्पनाओं की उड़ान में - जल जीवन से जीवन का वार्तालाप है। वैज्ञानिक से लेकर किसान, कवयित्री, सैनिक और आध्यात्मिक साधक तक - सबने जल अपने अपने ढंग से सराहा है। इस विश्व जल दिवस के दिन आइए ख़ामोश बहते पानी के विचारों को कविताओं में उतारे। कविता का विषय है - पानी ओ पानी तेरा रंग कैसा।

कविता के नियम इस प्रकार हैं:

१) कविता अंग्रेज़ी या हिंदी में हो सकती है ।

२) कविता छंद-बध या छंद मुक्त हो सकती है

३) कविता की कोई पंक्ति सीमा नहीं है

४) प्रतिभागी कितनी भी कविताएँ भेज सकते हैं।

५) कविताएँ स्वरचित होनी चाहिए ।

Event organizer: Ekansha Khanduja, TERI School of Advanced Studies